

**Purchase of Indian Tea by Soviet Union**

816. SHRI SONTOSH MOHAN DEV : Will the Minister of COMMERCE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the purchase of Indian tea by the Soviet Union is exported to a number of European countries by the country thereby depriving India of the hard currency;

(b) whether it is also a fact that much of the tea exports to the Soviet Union is done through private parties; and

(c) if so, the steps taken to remedy the situation ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI KHURSHEED ALAM, KHAN) (a) : Although USSR does re-export some of the teas imported by it, Government is not aware of any re-export of Indian tea by the USSR to free market countries.

(b) and (c) : Alongwith private Indian tea exporters, the Tea Trading Corp. of India Ltd., a Government of India undertaking, is exporting tea to the USSR. Indian firms are appointed as agents/suppliers by the USSR. The present arrangement are as per the agreed Government policy in regard to trade with the USSR.

**अफीम का उत्पादन और मूल्य**

817. श्री चतुर्भुज :

श्री फूल चन्द वर्मा : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1980-81 के दौरान देश में अफीम का राज्यवार कुल कितना उत्पादन हुआ है ;

(ख) अफीम के मूल्य में कब से वृद्धि नहीं की गई है तथा इसके, जबकि प्रत्येक वस्तु के भाव कई बार बढ़ चुके हैं, मूल्य में वृद्धि न किए जाने के क्या कारण हैं ;

(ग) क्या सरकार का प्रस्ताव अन्य वस्तुओं के मूल्यों में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए तथा अफीम उत्पादकों को प्रोत्साहित करने के लिए अफीम के मूल्यों में वर्ष 1981-82 के दौरान वृद्धि करने का है ; और

(घ) अफीम उत्पादन क्षेत्रों में अधिक किसानों को तथा उन लोगों को जिनका पट्टा 3 4 वर्ष पूर्व समाप्त हो गया था, पट्टे पर भूमि देने तथा अधिक क्षेत्र में अफीम की खेती करने की अनुमति देने के सम्बन्ध में सरकार की क्या नीति है ।

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सवाई सिंह सिसोदिया) (क) : फसल वर्ष 1980-81 के दौरान राज्यवार उत्पादन की गई अफीम की मात्रा नीचे दिए अनुसार है :—

	(90° गाढ़ता पर लगभग मीटरी टन)
मध्य प्रदेश :	550
राजस्थान :	356
उत्तर प्रदेश :	220
कुल	1126

(ख) काश्तकारों को दी जाने वाली अफीम की कीमतें मुख्यतः अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में अफीम मिश्रित कच्ची सामग्री की कीमतों के अत्याधिक गिर जाने के कारण ही फसल वर्ष 1977-78 के बाद बढ़ाई नहीं गई है और इसलिए भी कि काश्तकारों को दी जाने वाली कीमतें पहले से ही लाभकारी थीं ।